निजी बैंकों की नजर बड़े गोल्ड लोन पर

- बड़े कर्ज वाले ग्राहकों पर निजी बैंकों का फोकस

28% सीएजीआर से बढ़ेगा गोल्ड लोन बाजार

नवभारत न्यूज नेटवर्क

नयी दिल्ली, 6 सितंबर गोल्ड लोन यानी सोने के बदले कर्ज देने के कारोबार में बड़े प्राइवेट बैंकों की दिलचस्पी तेजी से बढ़ रही है. मजबूत ग्रोथ, आकर्षक रिटर्न और ग्राहकों के बीच बढ़ती स्वीकार्यता को देखते हुए बड़े निजी खास रकम बैंक खास तौर पर ज्यादा कमार वाहन सेदारी बढ़ाने की तैयारी में हैं.

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज की एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है. रिपोर्ट के मुताबिक, संगठित गोल्ड लोन बाजार में प्राइवेट बैंकों की मौजूदगी पहले सीमित रही है. इसकी बड़ी वजह इस कारोबार को शुरू करने के लिए होने वाला शुरुआती निवेश है. गोल्ड लोन कारोबार के लिए विशेष शाखाएं, प्रशिक्षित गोल्ड वैल्यूअर, सुरक्षित वॉल्ट और अलग ऑपरेटिंग सिस्टम की जरूरत होती है. इसके चलते दूसरे रिटेल लोन प्रोडक्ट्स की तुलना में इस कारोबार में निवेश की भरपाई होने में ज्यादा समय लगता है. गोल्ड लोन एनबीएफसी और सरकारी बैंकों को ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों में मजबूत नेटवर्क का फायदा मिलता है. इन संस्थानों के पास व्यापक ब्रांच नेटवर्क, तेज लोन प्रोसेसिंग, आसान दस्तावेजी प्रक्रिया और स्थानीय ग्राहकों के साथ पुराने संबंध हैं.

> मोतीलाल ओसवाल की रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 26 से वित्त वर्ष 28 के बीच भारत का कुल गोल्ड लोन उद्योग करीब 28% सीएजीआर की दर से बढ़ सकता है. इस दौरान बड़े प्राइवेट बैंकों और डायवर्सिफाइड एनबीएफसी की बाजार हिस्सेदारी में बढ़ोतरी होने की उम्मीद है. इसका मतलब है कि आने वाले वर्षों में गोल्ड लोन बाजार में प्रतिस्पर्धा और तेज हो सकती है. खासकर शहरी इलाकों और बड़े रकम वाले कर्ज में प्राइवेट बैंकों की मौजूदगी बढ़ने की संभावना है, जबकि ग्रामीण और छोटे टिकट वाले लोन में गोल्ड लोन एनबीएफसी की पकड़ मजबूत रह सकती है.

> रिपोर्ट के अनुसार एनबीएफसी ऐसे ग्राहकों को भी लोन उपलब्ध कराते हैं जो पारंपरिक बैंकिंग व्यवस्था के सामान्य क्रेडिट मानकों पर खरे नहीं उतर पाते. हालांकि, गोल्ड लोन कारोबार में तेज वृद्धि, बेहतर जोखिम-समायोजित रिटर्न, कम क्रेडिट लागत और ग्राहकों की बढ़ती स्वीकार्यता ने बड़े प्राइवेट बैंकों को इस सेगमेंट में विस्तार के लिए प्रेरित किया है.बड़े निजी बैंक अब गोल्ड लोन कारोबार के लिए अलग शाखाएं, विशेषज्ञ टीम, डिजिटल सोर्सिंग और ऑटोमेशन जैसी सुविधाओं पर निवेश बढ़ा रहे हैं.

एफएमसीजी सेक्टर पर बढ़ा ईएसजी खतरा

नवभारत न्यूज नेटवर्क

मुंबई, 6 सितंबर, भारत के करीब 245 अरब डॉलर के एफएमसीजी सेक्टर के लिए पर्यावरण, सामाजिक और गवर्नेंस (ईएसजी) से जुड़े जोखिमों और अवसरों का आकलन करने के लिए नया फ्रेमवर्क जारी किया गया है. एस्पायर सर्कल और एस्पायर इम्पैक्ट ने इम्पैक्ट फ्यूचर प्रोजेक्ट के तहत एफएमसीजी एन ईएसजी परफॉर्मेंस फ्रेमवर्क नाम से यह रिपोर्ट जारी की है.

इस पहल में ईएसजी, सस्टेनेबिलिटी और बिजनेस से जुड़े 19 वरिष्ठ विशेषज्ञों ने योगदान दिया है. इस फ्रेमवर्क का उद्देश्य एफएमसीजी कंपनियों के ईएसजी प्रदर्शन को मापने के साथ-साथ उनके सामने मौजूद जोखिमों और टिकाऊ विकास के अवसरों की अलग-अलग पहचान करना है. रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के एफएमसीजी सेक्टर ने 2024 में करीब 245.4 अरब डॉलर का राजस्व अर्जित किया. इसके वित्त वर्ष 2027 तक बढ़कर 615.9 अरब डॉलर पहुंचने का अनुमान है. यह सेक्टर देश की 1.4 अरब से अधिक आबादी तक सीधे पहुंचता है.

1.4 अरब से ज्यादा लोगों तक सीधी पहुंच

पैकेजिंग कचरा और जल संकट बड़ी चुनौती

> फ्रेमवर्क में एफएमसीजी कंपनियों के लिए कई प्रमुख ईएसजी जोखिमों की पहचान की गई है. इनमें पैकेजिंग कचरा, पानी की कमी, ऊर्जा की ज्यादा खपत, सप्लाई चेन की ट्रेसबिलिटी, टिकाऊ सोर्सिंग, उत्पाद की गुणवत्ता और सुरक्षा, जिम्मेदार मार्केटिंग और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण शामिल है. एफएमसीजी कंपनियों के लिए पैकेजिंग खास चुनौती है, क्योंकि रोजमर्रा की बड़ी संख्या में इस्तेमाल होने वाली वस्तुओं की पैकेजिंग से भारी मात्रा में कचरा पैदा होता है. वहीं, पानी की उपलब्धता और जल-संकट भी मैन्युफैक्चरिंग तथा सप्लाई चेन के लिए महत्वपूर्ण जोखिम बनता जा रहा है.

क्रूड उछला, पेट्रोल-डीजल के दाम हुए स्थिर

- कच्चा तेल 96 डॉलर प्रति बैरल पार
- भारत में आज भी ईंधन के दाम स्थिर

नवभारत न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली, 6 सितंबर पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव का असर अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल बाजार पर साफ दिखाई दे रहा है.

कारोबारी सत्र के बाद ब्रेंट क्रूड करीब 96.28 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया, जबकि अमेरिकी डब्ल्यूटीआई भी 91 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर रहा. होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों पर हमलों और आपूर्ति बाधित होने की आशंका ने बाजार की चिंता बढ़ा दी है. हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में इस तेज उछाल का असर फिलहाल भारतीय उपभोक्ताओं पर नहीं पड़ा है. सरकारी तेल कंपनियों ने 6 सितंबर 2026 को भी पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया. दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपये और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है.

एफपीआई ने सितंबर के पहले सप्ताह में निकाले 10,289 करोड़ रुपये

नवभारत न्यूज नेटवर्क

मुंबई, 06 सितंबर विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने सितंबर के पहले सप्ताह में भारतीय पूंजी बाजार में 10,289 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की. शुद्ध बिकवाली बाजार में लगाई गयी पूंजी और निकाली गयी पूंजी का अंतर है.

तीन महीने लगातार पूंजी लगाने के बाद एफपीआई बाजार में बिकवाल दिखे हैं. इससे पहले अगस्त में उन्होंने 25,492 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था. जुलाई में उन्होंने 40,031 करोड़ रुपये और जून में 4,669 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था.

सितंबर में अबतक एफपीआई ने इक्विटी में 7,443 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है.

हैदराबाद में टीसीएस बनाएगी एआई सेंटर

- 264 एकड़ में बनेगा एक गीगावाट डेटा सेंटर
- टीसीएस और साझेदार करेंगे 70 हजार करोड़

नवभारत न्यूज नेटवर्क

हैदराबाद, 6 सितंबर टाटा समूह की सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी टीसीएस हैदराबाद में 264 एकड़ में एक गीगावाट का डेटा सेंटर स्थापित करेगी।कंपनी ने बताया कि वह अपनी सहायक कंपनी हाइपरवॉल्ट एआई डेटा सेंटर लिमिटेड के जरिये यह डेटा सेंटर शुरू करेगी। इसके लिए उसने जमीन अधिग्रहण का काम पूरा कर लिया है.

टीसीएस हाइपरवॉल्ट को चरणबद्ध तरीके से विकसित कर रही है. वह हाइपरस्केलर्स, एआई कंपनियों और वैश्विक कंपनियों के लिए सुरक्षित, विस्तार के विकल्प के साथ और एआई-रेडी डेटा सेंटर अवसंरचना तैयार कर रही है. हाइपरवॉल्ट के डेटा सेंटर विशेष रूप से एआई वर्कलोड के लिए बनाये जा रहे हैं. इनमें लिक्विड कूलिंग, डायरेक्ट टू चिप कूलिंग, हाई रैक डेनसिटी, हरित ऊर्जा और विश्वसनीयता को जोड़ने वाला एनर्जी मॉडल तथा मजबूत नेटवर्क कनेक्टिविटी जैसी सुविधाएं होंगी. कंपनी और उसके साझेदार इस अवसंरचना के निर्माण और प्रबंधन के लिए 70,000 करोड़ रुपये तक निवेश करने की उम्मीद कर रहे हैं.

हरित ऊर्जा और जल-निरपेक्ष डिजाइन के सिद्धांतों का इस्तेमाल होगा

टीसीएस ने बताया कि हैदराबाद का यह एआई डेटा सेंटर कैम्पस विशेष रूप से फ्रंटियर एआई कंपनियों और हाइपरस्केलर्स की जरूरतों को पूरा करने के लिए बनाया जायेगा. इसमें एआई प्रशिक्षण, इंफ्रेंस और आधुनिक कंप्यूटिंग वर्कलोड्स के लिए हाई-डेंसिटी जीपीयू लगाने की सुविधा होगी.पूरी तरह विकसित होने के बाद इस परिसर के देश के सबसे उन्नत और सबसे बड़े एआई अवसंरचना परिसरों में शामिल होने की उम्मीद है. परिसर के निर्माण में हरित ऊर्जा और जल-निरपेक्ष डिजाइन के सिद्धांतों का भी इस्तेमाल किया जायेगा.

एलआईसी को आईसीआईसीआई बैंक में हिस्सेदारी बढ़ाने की मंजूरी

- आईसीआईसीआई बैंक में 4.35% हिस्सेदारी
- आरबीआई ने एक साल की दी समयसीमा

नवभारत न्यूज नेटवर्क

मुंबई, 06 सितंबर भारतीय रिजर्व बैंक ने सार्वजनिक क्षेत्र की जीवन बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम को निजी क्षेत्र के आईसीआईसीआई बैंक में हिस्सेदारी बढ़ाकर 9.99 प्रतिशत करने की अनुमति प्रदान कर दी है.

आईसीआईसीआई बैंक ने शनिवार को शेयर बाजार को बताया कि उसे 04 सितंबर की रात आरबीआई से एलआईसी के नाम जारी पत्र की प्रति प्राप्त हुई है. इसमें बताया गया है कि केंद्रीय बैंक ने एलआईसी के आवेदन पर विचार के बाद उसे एक साल के भीतर बैंक में अपनी कुल हिस्सेदारी 9.99 प्रतिशत तक करने की अनुमति दे दी है. एक साल के भीतर ऐसा न कर पाने की स्थिति में यह अनुमति अपने-आप रद्द मानी जायेगी. यह अनुमति कतिपय नियामकीय अर्हताओं को पूरा करने की शर्त के साथ प्रदान की गयी है. उल्लेखनीय है कि 30 जून की शेयरधारिता के अनुसार, आईसीआईसीआई बैंक में एलआईसी की हिस्सेदारी 4.35 प्रतिशत है. आरबीआई की अनुमति से बाद जीवन बीमा कंपनी 5.64 प्रतिशत तक अतिरिक्त हिस्सेदारी खरीदकर उसे 9.99 प्रतिशत तक पहुंचा सकेगी.

वेकोलि में स्वच्छता अभियान की तैयारियों की समीक्षा

नवभारत कनेक्ट

नागपुर, 6 सितम्बर. वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (वेकोलि) ने विशेष अभियान 6.0 एवं 'स्वच्छता ही सेवा' 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन की तैयारियों की समीक्षा हेतु, 5 सितंबर, 2026 को वेकोलि के निदेशक (कार्मिक)/(वित्त) श्री बिक्रम घोष की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक की गई।

बैठक में वेकोलि मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों सहित महाप्रबंधक (सिविल-वेलफेयर), महाप्रबंधक (एमएम-स्टोर्स), महाप्रबंधक (सिस्टम्स) एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (वेकोलि) उपस्थित रहे। इसके अलावा सभी क्षेत्रों के क्षेत्रीय महाप्रबंधक, स्टाफ अधिकारी (सिविल, सिस्टम्स एवं एमएम) तथा नोडल अधिकारी (वेलफेयर एवं सीएसआर) भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

बैठक में अभियान के प्रमुख केंद्र-बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। इनमें ई-वेस्ट प्रबंधन, लंबित मामलों का निपटारा, रिकॉर्ड प्रबंधन, स्थान का अनुकूलतम उपयोग, डिजिटलीकरण तथा कार्यालयों एवं कार्यस्थलों पर स्पष्ट एवं दृश्यमान स्वच्छता परिणाम प्रमुख रहे। बैठक में प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग की 'वेस्ट टू वेल्थ' पहल तथा कोयला मंत्रालय द्वारा निर्धारित ई-वेस्ट प्रबंधन थीम पर विशेष जोर दिया गया।

धूत ट्रांसमिशन ने आईपीओ निवेशकों को दिया 85% रिटर्न

नवभारत न्यूज नेटवर्क

मुंबई, 6 सितम्बर वायरिंग हार्नेस और इलेक्ट्रिकल सिस्टम बनाने वाली प्रमुख कंपनी धूत ट्रांसमिशन लिमिटेड के आईपीओ ने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। कंपनी के आईपीओ को आए महज एक माह में ही निवेशकों को करीब 85 फीसदी का जबरदस्त रिटर्न मिल चुका है।

41 फीसदी हिस्सेदारी के साथ दोपहिया और तिपहिया वायरिंग हार्नेस बाजार में अग्रणी धूत ट्रांसमिशन का आईपीओ पिछले माह आया था। कंपनी ने आईपीओ में शेयर का मूल्य 871 रुपये प्रति शेयर रखा था। महाराष्ट्र स्थित तीन दशक पुरानी कंपनी के मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड और बेहतर वृद्धि संभावनाओं के कारण आईपीओ को निवेशकों का जोरदार समर्थन मिला था और इसे 74 गुना सब्सक्राइब किया गया। कंपनी के शेयर ने 17 अगस्त को आईपीओ मूल्य 871 रुपये की तुलना में करीब 38 फीसदी प्रीमियम के साथ 1200 रुपये पर सूचीबद्ध होकर निवेशकों को शुरुआत में ही अच्छा रिटर्न दिया।

अडानी डिफेंस का एके-203 समझौता

आईआरआरपीएल से पांच साल का करार

नवभारत न्यूज नेटवर्क

नयी दिल्ली, 06 सितंबर अडानी डिफेन्स एंड एयरोस्पेस ने इंडो-रशियन राइफल्स प्राइवेट लि के साथ गोली-बारूद की आपूर्ति के लिए पांच वर्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं.

आईआरआरपीएल भारत-रूस संयुक्त उपक्रम है, जो भारत में एके-203 असॉल्ट राइफलों का निर्माण करता है.अडानी डिफेन्स एंड एयरोस्पेस इन राइफलों के लिए 7.62गुना 39 मिमी छोटे-कैलिबर के गोली-बारूद का विनिर्माण एवं आपूर्ति करेगी. कंपनी ने भारत में स्मॉल-कैलिबर गोला-बारूद के निर्माण की क्षमताएं स्थापित की हैं, जिसमें कानपुर स्थित एक फैक्ट्री भी शामिल है जहां छोटे-कैलिबर के गोले-बारूद बनाए जाते हैं.

> कंपनी ने कहा है कि यह समझौता छोटे हथियारों की पूरी आपूर्ति श्रृंखला में घरेलू क्षमताओं को और मजबूत करने वाला है तथा इससे रक्षा विनिर्माण के क्षेत्र में आत्मनिर्भर-भारत के प्रयासों में मदद मिलेगी. आईआर आरपीएल की स्थापना वर्ष 2019 में भारत-रूस अंतर-सरकारी समझौते के तहत भारतीय सशस्त्र बलों के लिए एके-203 असॉल्ट राइफलों के स्वदेशी निर्माण के उद्देश्य से की गई थी.इसका कारखाना उत्तर प्रदेश में अमेठी जिले के कोरवा में है. इस संयुक्त उपक्रम में भारतीय कंपनी एडवांस्ड वेपन्स एंड इक्विपमेंट इंडिया लिमिटेड और म्यूनिशंस इंडिया लिमिटेड तथा रूसी कंपनी कंसर्न कलाश्निकोव और रोसोबोरोनएक्सपोर्ट हिस्सेदार हैं.दिसंबर 2021 में इस कंपनी के साथ कुल 614100 से कुछ अधिक संख्या में एके-203 रायफलों की आपूर्ति के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए थे.

IIFL FINANCE

आईआईएफएल फाइनेंस लिमिटेड | CIN: L67100MH1995PLC093797
पंजीकृत कार्यालय: आईआईएफएल हाउस, सन इन्फोटेक पार्क, रोड नंबर 16वी, प्लॉट नंबर बी-23, ठाणे इंडस्ट्रियल एरिया, वागले एस्टेट, ठाणे - 400604
फ़ोन: 022-41035000 • फ़ैक्स: 022-25806654 • टोल-फ़्री: 1860-267-3000
ई-मेल: gold-helpline@iifl.com • वेबसाइट: www.iifl.com

सार्वजनिक सूचना - गिरवी रखे गए सोने की नीलामी

संबंधित उधारकर्ताओं/कानूनी उत्तराधिकारियों और आम जनता को सूचित किया जाता है कि आईआईएफएल फाइनेंस लिमिटेड ("आईआईएफएल") - जो भारतीय रिज़र्व बैंक के साथ पंजीकृत एक नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी है - यहाँ बताए गए लोन अकाउंट्स में गिरवी रखे गए सोने की सार्वजनिक नीलामी करेगी, जहाँ उधारकर्ता ने भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) के समय-समय पर जारी निर्देशों ("RBI निर्देश"), लोन एग्रीमेंट की शर्तों और आईआईएफएल के बोर्ड से मंज़ूर गोल्ड लोन पॉलिसी के अनुसार, संचार के उपलब्ध माध्यमों से नीलामी का नोटिस और रिमाइंडर मिलने के बावजूद अपने लोन अकाउंट का भुगतान नहीं किया है या उसे नियमित नहीं किया है।

नीलामी की तारीख, समय और जगह: सार्वजनिक नीलामी 15.09.2026 को सुबह 10:00 बजे से आईआईएफएल की इस ब्रांच में होगी: **इंदौर-विजय नगर मेघदूत गार्डन जी.एल., आईआईएफएल गोल्ड लोन, जी-7, जी-8, जी-9, शेखर टॉवर, स्कीम नं. 54, मेघदूत गार्डन के सामने, इंदौर, मध्य प्रदेश-452011।**

यह नीलामी उसी ज़िले में मौजूद लोन देने वाली शाखाओं के लोन अकाउंट से जुड़ी है।

गोल्ड लोन अकाउंट का विवरण: लोन अकाउंट नंबर- GL41250584, GL44281871, GL41416161, GL41432460, GL48701365, GL38440723, GL46368007, GL43341926, GL42082376, GL44681172, GL41366656, GL48142038, GL39208657, GL41372446, GL41597745, GL49364691, GL41578589, GL44672790, GL48318826, GL48400251, GL48402801, GL40966231, GL41466723, GL42165660, GL41507406, GL42891518, GL43565407, GL44525596, GL47426263, GL43832341, GL49168540, GL49366869, GL46337790, GL46978793, GL46555084, GL48584024, GL42403588, GL41553677, GL41555603, GL44237793, GL45668607, GL43179989, GL14757580, GL40427549, GL48298191, GL47019486, GL43200728, GL43783970, GL46194667, GL40461369, GL44677443, GL42448554, GL40463934, GL40535637, GL40601548, GL40608802, GL40864766, GL40875775, GL44011183, GL41959847, GL41216672, GL41205464, GL50376763, GL41277855, GL41290944, GL41432586, GL41417645, GL48108592, GL48114983, GL48398265, GL48436007, GL48534501, GL48620687, GL48671083, GL48707196, GL49030535, GL48812380, GL48867842, GL50684073, GL50687486, GL41188938, GL41099304, GL41111459, GL41301448, GL41289270, GL41137440, GL41424601, [illegible]

[illegible]

तारीख: 07.09.2026
स्थान: इंदौर
हस्ताक्षर/- अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता आईआईएफएल फाइनेंस लिमिटेड

IIFL FINANCE

आईआईएफएल फाइनेंस लिमिटेड | CIN: L67100MH1995PLC093797
पंजीकृत कार्यालय: आईआईएफएल हाउस, सन इन्फोटेक पार्क, रोड नंबर 16वी, प्लॉट नंबर बी-23, ठाणे इंडस्ट्रियल एरिया, वागले एस्टेट, ठाणे - 400604
फ़ोन: 022-41035000 • फ़ैक्स: 022-25806654 • टोल-फ़्री: 1860-267-3000
ई-मेल: gold-helpline@iifl.com • वेबसाइट: www.iifl.com

सार्वजनिक सूचना - गिरवी रखे गए सोने की नीलामी

[illegible]

तारीख: 07.09.2026
स्थान: धार
हस्ताक्षर/- अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता आईआईएफएल फाइनेंस लिमिटेड

IIFL FINANCE

आईआईएफएल फाइनेंस लिमिटेड | CIN: L67100MH1995PLC093797
पंजीकृत कार्यालय: आईआईएफएल हाउस, सन इन्फोटेक पार्क, रोड नंबर 16वी, प्लॉट नंबर बी-23, ठाणे इंडस्ट्रियल एरिया, वागले एस्टेट, ठाणे - 400604
फ़ोन: 022-41035000 • फ़ैक्स: 022-25806654 • टोल-फ़्री: 1860-267-3000
ई-मेल: gold-helpline@iifl.com • वेबसाइट: www.iifl.com

सार्वजनिक सूचना - गिरवी रखे गए सोने की नीलामी

संबंधित उधारकर्ताओं/कानूनी उत्तराधिकारियों और आम जनता को सूचित किया जाता है कि आईआईएफएल फाइनेंस लिमिटेड ("आईआईएफएल") - जो भारतीय रिज़र्व [illegible]

तारीख: 07.09.2026
स्थान: उज्जैन
हस्ताक्षर/- अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता आईआईएफएल फाइनेंस लिमिटेड